पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 14 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शनिवार 22 अक्टूबर, 2022 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का समापन समारोह

खिलाड़ियों में बढ़ा विश्वास,खेल जगत में राजस्थान बनेगा सिरमौर:मुख्यमंत्री

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों से राजस्थान में खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ खेल माहौल तैयार हुआ है। इनमें गांवों की खेल प्रतिभाओं को ऐसे मौके मिले हैं, जिनसे वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने परिवार, गांव-ढाणी और जिले की पहचान पूरे देश में कायम कर सकेंगे। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में खेल मैदानों का विकास, संसाधनों और सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चिता हमारी मुख्य प्राथमिकता है। राज्य सरकार खिलाड़ियों की मंशा के अनुरूप ही अहम निर्णय ले रही है। इससे खिलाड़ियों में अपने सुरक्षित भविष्य को लेकर विश्वास बढ़ा है। इससे ही खेल जगत में राजस्थान सिरमौर बनेगा। गहलोत जयपुर के सवाई मानसिंह

स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल की राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक से देश में नया इतिहास रचा गया है। इसमें हर आयु वर्ग के 30 लाख से अधिक ग्रामीणों ने मैदान में दमखम दिखाया। लगभग 10 लाख महिलाओं ने हिस्सा लेकर ऊंची उड़ान भरी है। जनसमुदाय, खेल प्रशिक्षकों और प्रशासन के आपसी समन्वय से आयोजन सफल हुआ है और राजस्थान का गौरव पूरे देश में बढ़ा है।

70 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती और विधायक रामलाल शर्मा ने किया शिलान्यास

चौमूं (संस्कार सृजन)। ग्राम पंचायत भूतेड़ा को जोड़ने वाली संपर्क सड़क हाबु का बास का शिलान्यास सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती और विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत संपर्क सड़क हाबु का बास तक 2 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण 70 लाख की लागत से होगा। साथ ही सार्वजनिक श्मशान भूमि हाबु का बास में सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया गया। सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि गांवो का सर्वांगीण विकास सड़कों के निर्माण कार्य से ही संभव है, कांग्रेस शासनकाल के दौरान पिछले 4 सालों में पूरे प्रदेश में सड़कों का हाल बेहाल हो चुका है। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार का पता भी नहीं है कि वह सत्ता में है या नहीं है। राज्य सरकार के 80 विधायक इस्तीफा दे चुके हैं और सरकार कौन चला रहा है यह किसी को नहीं पता, राज्य सरकार ने प्रदेश की भोली भाली जनता को गुमराह करने का काम किया है। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों

का भूतेड़ा सरपंच गौरी शंकर नेतड के द्वारा माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, उप प्रधान कमला देवी जय प्रकाश चौधरी, भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा सरपंच प्रभु नारायण यादव, पूर्व प्रधान महेश मीणा, कानाराम यादव सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सर्व सिद्धेश्वर मालेरा धाम के महंत रामफूलदासजी महाराज का हुआ भव्य स्वागत

झुंझुनु (संस्कार सृजन)। सर्व सिद्धेश्वर मालेरा धाम के महंत रामफूलदासजी महाराज का भव्य स्वागत किया गया । महंत रामफूलदासजी महाराज ने बताया कि बाबा के भक्त भंवर लाल गुर्जर के निवास स्थान फगोडियो की ढाणी, रामपुरा झुंझुनु पहुंचने पर हिन्दू धर्म के अनुसार तिलक लगाकर ,माला पहनाकर, शोल ओड़ाकर

भव्य स्वागत किया । इस अवसर पर रामफूलदासजी महाराज ने बाबा श्री रामदेव जी महाराज का आशीर्वाद दिया । महाराज ने बताया कि जिसकी जैसी भावना वैसा फल पावे, सन्त महापुरुषों के सान्निध्य से मनुष्य जीवन में उन्नति के मार्ग खुलते हैं । हर मनुष्य को पालनहार श्री हरि पर श्रद्धा, विश्वास रख चरण वंदना करनी चाहिए । इस दौरान गजानन गुर्जर, दिनेश, छोटी देवी, संजय कुमार, दिक्षित गुर्जर आदि मोजूद रहे।

हरियाणा राज्य के विधानसभा क्षेत्र 47 - आदमपुर में उपचुनाव 3 नवम्बर को

राज्य सरकार में कार्यरत पंजीकृत मतदाताओं को मतदान दिवस पर संवैतनीक अवकाश

जयपुर(नि.सं.)। राज्य सरकार द्वारा आदेश जारी कर हरियाणा राज्य के 47 - आदमपुर विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव के लिए राज्य में कार्यरत अधिकारियों तथा कर्मचारियों को, जो कि इस विधानसभा के पंजीकृत मतदाता हैं, मतदान दिवस पर संवैतनिक अवकाश प्रदान किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की विशिष्ठ शासन सचिव श्रीमती शैली किशनानी ने बताया कि हरियाणा राज्य के विधानसभा क्षेत्र 47-आदमपुर के उपचुनाव के लिए 3 नवम्बर 2022 को मतदान होगा।

सिद्धि विनायक मोबाइल एंड इलेक्ट्रिकल पर उमड़ी ग्राहकों की भीड़

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के थाना मोड़ चौराहे स्थित सिद्धि विनायक मोबाइल एंड इलेक्ट्रिकल पर स्मार्टफोन खरीदने वालों की भीड़ लगी हुई है । संचालक विनोद कुमार शर्मा और रामलाल सैनी ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी दीपावली के त्यौहार पर ग्राहकों के लिए शानदार ऑफर लेकर आए हैं । हर स्मार्टफोन की खरीद पर ग्राहकों को फ्री गिफ्ट दिया जाएगा । साथ ही उनको लकी ड्रा टिकट भी प्रदान किया जाएगा । लकी ड्रा में पहला प्राइस स्मार्ट वॉच, दूसरा प्राइस नेक बैंड और तीसरा प्राइस पावर बैंक लकी ड्रा के माध्यम से दिया जाएगा ।

www.sanskarnews.page
संस्कार सृजन
शान हिन्दुस्तान की
News Paper,News Channel,News Portal

www.hamarawatan.com
हमारा वतन
देश का अपना चैनल
News Paper,News Channel,News Portal

★ संस्कार सृजन संस्था, चौमूँ, जयपुर
★ संस्कार सृजन, पाक्षिक समाचार पत्र
★ हमारा वतन, साप्ताहिक समाचार पत्र
News Paper, News Channel, News Portal
संपादक - राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258, 7014468512

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

रुक्मणी कुमारी

प्रदेश अध्यक्ष - ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस
अध्यक्ष - स्टार फाउंडेशन, राजस्थान
सदस्य - समाज कल्याण बोर्ड राजस्थान
सदस्य - चौमूं राजपरिवार
विधानसभा क्षेत्र चौमूं

संपादकीय

देश में भ्रष्टाचार रोकने में क्रांतिकारी सिद्ध होती डीबीटी योजना

इस देश में हर स्तर पर 'आपदा में अवसर' तलाशने वालों का जमावड़ा हो, वहां केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से पूरे सौ पैसे गरीबों तक पहुंच रहे हैं तो इसे एक बड़ी उपलब्धि ही माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सूखा प्रभावित कालाहांडी दौरे पर कहा था कि सरकार जब भी एक रुपया खर्च करती है तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं। वह रिसाव से उपजे भ्रष्टाचार की बात कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण योजना (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी) को बड़े पैमाने पर शुरू किया था तब विरोधियों ने कहा था कि भारत जैसे पिछड़े देश में यह योजना भ्रष्टाचार बढ़ाने का काम करेगी, लेकिन आज दुनिया इस योजना की प्रशंसा कर रही है। यह विडंबना है कि एक ओर विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष डीबीटी एवं खाद्य सुरक्षा योजना की प्रशंसा कर रहे हैं तो दूसरी ओर वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत को पिछले साल की तुलना में सात पायदान नीचे (107) दिखाया जा रहा है। इस विडंबना का कारण है कि भुखमरी सूचकांक जिन चार संकेतकों के आधार पर तैयार किया जाता है, उनमें तीन बच्चों से जुड़े हैं जो संपूर्ण आबादी की जानकारी नहीं देते। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण सूचकांक कुल जनसंख्या में कुपोषित आबादी का है। इस सूचकांक को भी 138 करोड़ वाले देश के मात्र 3,000 लोगों के आधार पर तय किया गया। इसी कारण भारत सरकार ने इस रिपोर्ट को सिरे से नकार दिया। रिपोर्ट में जिस श्रीलंका को 64वें पायदान पर रखा गया है, वहां आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत द्वारा भेजी गई खाद्य सामग्री से ही स्थिति नियंत्रण में आई। इससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर अपने आप सवाल उठने लगे हैं।उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार किया है, जिससे राशन प्रणाली के अनाज की कालाबाजारी, तस्करी थम गई है। इसे विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने भी स्वीकार किया है। उनके अनुसार कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने गरीब और जरूरतमंद लोगों को जिस प्रकार समर्थन दिया, वह असाधारण है। गरीबी एवं पारस्परिक समृद्धि नामक रिपोर्ट जारी करते हुए डेविड मालपास ने कहा कि अन्य देशों को भी व्यापक सब्सिडी के बजाय भारत की तरह लक्षित नकद हस्तांतरण जैसा कदम उठाना चाहिए। डेविड मालपास ने कहा कि महामारी की सबसे बड़ी कीमत गरीब और कमजोर लोगों को चुकानी पड़ी है।डीबीटी के जरिये भारत ग्रामीण क्षेत्र के 85 प्रतिशत परिवारों और शहरी क्षेत्र के 69 प्रतिशत परिवारों को खाद्य एवं नकदी समर्थन देने में सफल रहा। डीबीटी योजना में जैम त्रिकोण यानी जन-धन, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इससे बीच में पैसा हजम करने वाले बाहर हो गए। भारत सरकार ने 2020-21 के दौरान डीबीटी के माध्यम से 5.52 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जो 2021-22 में बढ़कर 6.3 लाख करोड़ रुपये हो गए। 2015 से अब तक 25 लाख करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इसमें से 56 प्रतिशत धनराशि पिछले ढाई साल में हस्तांतरित की गई।स्पष्ट है कोरोना संकट के दौरान डीबीटी जीवन रक्षक साबित हुई। आज केंद्र सरकार के 53 मंत्रालयों की 319 योजनाएं डीबीटी से जुड़ी हैं।

सनातन धर्म में क्यों स्वास्तिक चिन्ह को बहतु शुभ माना जाता है ?

सनातन संस्कृति में स्वास्तिक चिन्ह को बहतु महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी भी बडे अनुष्ठान या हवन से पहले स्वास्तिक चिन्ह निश्चितरूप से बनाया जाता है। यह चिन्ह न केवल शुभता का प्रतीक है बल्कि इसे बनाने से घर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता। साथ ही इससे देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। दिवाली के दिन स्वास्तिक चिन्ह बनाने से व्यक्ति को बहुत लाभ प्राप्त होता है। मान्यताओं के अनुसार घर के मुख्या द्वार पर स्वास्तिक चिन्ह बनाने से व्यक्ति के जीवन में और परिवार सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही सभी मांगलिक कार्य सिद्ध होते हैं। आइए जानते हैं क्यों स्वास्तिक चिन्ह को माना जाता है अत्यंत शुभ।

ये है स्वास्तिक चिन्ह का अर्थ स्वास्तिक शब्द तीन भिन्न शब्दों के मेल से बना है। सु का अर्थ शुभ है, अस अर्थात अस्तित्व और क का मतलब है कर्ता। इसलिए इस शब्द का पूरा अर्थ है मंगल करने वाला। शास्त्रों में इसे भगवान श्री गणेश का प्रतीक माना जाता है। इसलिए पूजा में जिस तरह इन्हें सबसे पहले पूजा जाता है उसी तरह स्वस्तिक को मंगल कार्य शुरू करने से पहले बनाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में स्वास्तिक चिन्ह के कई फायदे बताए गए हैं। ज्योतिष के अनुसार दिवाली के दिन स्वास्तिक चिन्ह को तिजोरी पर बनाने से धन की कमी दूर हो जाती है और तिजोरी कभी खाली नहीं रहती है। इसके जो लोग नौकरी या व्यापार में घाटा अनुभव कर रहे हैं उन्हें ईशान कोण में लगातार सात गुरुवार सूखी हल्दी से स्वास्तिक का चिन्ह बनाना चाहिए। इससे उन्हें सफलता प्राप्त होगी। वास्तु में भी इसके महत्व के विषय में विस्तार से बताया गया है।

मिट्टी से दीपकों से करें माता लक्ष्मी का स्वागत, जानें क्या इसकी विशेषता

दिवाली का पर्व देशभर में धूम-धाम से मनाया जाता है। इस दिन भक्त माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा करते हैं और जीवन में सफलता की प्रार्थना करते हैं। दीपावली के दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और धन-वैभव में वृद्धि होती है। शास्त्रों में भी यह बताया गया है कि इस पर्व के दिन पूजा-अर्चना करने से घर को सजाने से भक्तों को विशेष लाभ मिलता है। इसके साथ यह भी बताया है कि दिवाली के दिन मिट्टी से बने दीयों को जलाने से भक्तों को विशेष लाभ मिलता है और पूजा का सिद्ध फल प्राप्त होता है। आइए जानते हैं मिट्टी का दीया जलाने के क्या होते हैं ये फायदे।

मंगल और शनि ग्रह होते हैं प्रसन्न ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिट्टी मंगल ग्रह का प्रतीक है और तेल को शनि ग्रह का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में दीपावली के शुभ अवसर पर मिट्टी का दीया जलाने से मंगल और शनि दोनों ग्रह प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को आशीर्वाद देते हैं।

दूर होती है नकारात्मकता शास्त्रों में बताया गया है कि मिट्टी का दीपक प्रज्वलित करने से मानसिक व शारीरिक तनाव दूर हो जाता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ मिट्टी के दीपक की रौशनी को सुख एवं समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हिन्दू धर्म में मिट्टी को बहुत शुभ माना जाता है। इसलिए आदिकाल से इस दीपक का प्रयोग किया जा रहा है।

करता है पंचतत्व का प्रतिनिधित्व मिट्टी का दीपक न केवल शुभ होता है बल्कि यह पंचतत्व का प्रतिनिधित्व भी करता है। पंचतत्व में जल, वायु, अग्नि, आकाश व भूमि सम्मिलित हैं। इन सब में मिट्टी से दीया पृथ्वी का प्रतीक है। तेल या घी भूतकाल व पाताल लोक का और प्रज्वलित की गई लौ को आकाश, स्वर्ग और भविष्य का प्रतीक माना जाता है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

दिवाली पर धन वृद्धि के लिए करें कौड़ी के उपाय, खूब होगी उन्नति

दिवाली पर लक्ष्मी पूजन में कौडियों को भी रखा जाता है क्योंकि ये लक्ष्मी का प्रतीक मानी जाती हैं। माता लक्ष्मी और कौड़ी दोनों का समुद्र से संबंध है। धन प्राप्ति की इच्छा रखने वाले भक्त लक्ष्मी पूजन में कौडियों का उपयोग करते हैं। अमावस्या की रात को लक्ष्मी पूजन किया जाता है और इसे महानिशा की रात भी कहा जाता है। तंत्र विधाओं के अनुसार, दिवाली पूजन में अगर आप कौडियों की पूजा के साथ कुछ उपाय भी करेंगे तो धन वृद्धि के योग बनना शुरू हो जाते हैं और जीवन में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। इन उपायों के करने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी बना रहता है। आइए जानते हैं दिवाली पर किए जाने वाले कौडियों के इन उपायों के बारे में....

इस उपाय से मां लक्ष्मी की रहेगी कृपा दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के दौरान 5 पीली कौडियों और 9 गोमती चक्र माता के पास रख दें। फिर पूरे विधि-विधान के साथ माता लक्ष्मी और गणेशजी की पूजा करें। इसके बाद अगले दिन कौड़ी और गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी या अलमारी में रख दें। ऐसा करने से घर में समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। साथ माता की कृपा से कभी धन संबंधित समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

इस उपाय से घर में आएगी सुख-समृद्धि दिवाली पर घर में सुख-समृद्धि लाने के लिए धनतेरस के दिन कुबेर और लक्ष्मी पूजन में 11 कौडियों को रखें और फिर बाद में लाल कपड़े में बांधकर उनको मेन गेट पर लटका दें। ऐसा करने से दिवाली के दिन घर में माता लक्ष्मी का वास होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

इस उपाय से दिवाली होगी खुशियों वाली दिवाली से पहले आने वाले शुक्रवार के दिन 5कौडियों को केसर और हल्दी के घोल में भिगोकर रख दें और फिर माता लक्ष्मी के बीज मंत्रों का जप करें। इसके बाद माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करें और उनके पास कुछ समय के लिए कौडियों को रख दें।

दिवाली पर धन प्राप्ति के लिए करें यें प्राचीन उपाय, सालभर खूब होगी कमाई

दिपावली खुशियों और दीपों का महापर्व है। मान्यता है कि दीपों के इस महापर्व में मां लक्ष्मी स्वयं धन प्राप्ति का वरदान देती है। इस दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय किए जाते हैं। कहा जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए जो उपाय किए जाते हैं उसका प्रभाव आपको सालभर दिखाई देता है। सालभर सुख समृद्धि बनी रहती है। आज हम आपको 11 ऐसे ही प्राचीन उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हें करने से आपकी कमाई में खूब वृद्धि होगी।

दिपावली पर धन प्राप्ति के सरल उपाय

❒ दिपावली पूजन करने के बाद शंख की ध्वनि बजानी चाहिए। ऐसा करने से घर में दरिद्रता का वास नहीं होता है और घर में मां लक्ष्मी का वास रहता है।

❒ दीपावली पूजन के बाद अभिमंत्रित हकीक रत्न का पूजन कर उसे धारण करना चाहिए। ऐसा करने से अगर आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। इस बात का ख्याल रखें कि जिन लोगों की कुंडली में शनि और मंगल का योग हैं उन्हें इस मंत्र को धारण नहीं करना चाहिए।

❒ इसी के साथ अगर आप धन संपत्ति की प्राप्ति कराना चाहते हैं तो दीपावली वाले दिन अपने घर या फिर व्यवसायिक स्थान पर अपना पूजा स्थल पर लक्ष्मी गणेश यंत्र की स्थापना जरूर करें।

❒ यदि कोई व्यक्ति अपार धन संपत्ति पाना चाहते हैं तो उसे दीवाली के दिन श्री यंत्र, गणेश लक्ष्मी यंत्र, कनकधारा यंत्र और कुबेर यंत्र का पूजन जरुर करना चाहिए। मान्यताएं हैं कि इन यंत्रों का पूजन करने से व्यक्ति को धन से संबंधित परेशानियों का कम सामना करना पड़ता है।

❒ दीपावली पूजन में मां लक्ष्मी को पूजा में 11 अभिमंत्रित पीली कौडियां अर्पण करें, उसके अगले दिन लाल कपड़े में बांधकर अपने गल्ले या तिजोरी रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की वृद्धि होती है।

❒ दीपावली के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के मंदिर जाएं और मां लक्ष्मी को लाल रंग के वस्त्र अर्पित करें। ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। इतना ही नहीं आप पर धन का किसी भी तरह का अभाव भी नहीं रहता है।

❒ यदि कोई व्यक्ति अपने पुराने कर्ज से परेशान है तो दीवाली के दिन मां लक्ष्मी को सफेद रंग की मिठाई को भाग लगाएं और फिर उसे गरीबों में बांट दें। ऐसा करने से आपको पुराने कर्ज से जल्द राहत मिल जाएगी।

❒ इसके अलावा अगर आप दीपावली के दिन शाम के समय सूर्यास्त होने से थोड़ा पहले बरगद की जटा में एक गांठ बांध देते हैं तो आपको अचानक धन प्राप्ति के योग बनते हैं, धन प्राप्ति के बाद उस बांधी हुई गांठ को खोलना न भूलें।

❒ अगर आप आर्थिक संकटों से जूझ रहे हैं तो दीपावली के दिन पीपल के पेड़ के नीचे सात दीप प्रज्वलित करके पीपल के वृक्ष की सात बार परिक्रमा करें ऐसा करने से आप आर्थिक संकटों से मुक्ति पा सकते हैं।

❒ इसके अलावा भी एक सरल उपाय है जो आपको सभी आर्थिक संकटों से मुक्ति दिला सकता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

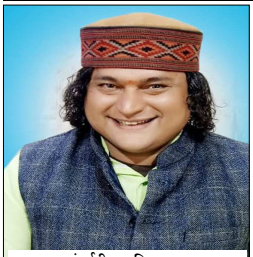

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि - आत्मश्विास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें, माता से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आशा-निराशा के मश्रिति भाव मन में रहेंगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

वृष राशि - मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है

मिथुन राशि - मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। आत्म सयंत रहें , वाणी में सौम्यता रखें, परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

कर्क राशि - अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं । राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

सिंह राशि - भवन सुख का विस्तार होगा, मात-पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें । नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं ।

कन्या राशि - स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा । मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है, आय में भी वृद्धि होगी।

तुला राशि - मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि - आत्मश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, आत्मवश्विास से लबरेज रहेंगे लेकिन अति उत्साही होने से बचें। माता व परिवार की किसी बुजुर्ग महिला से धन की प्राप्ती के योग बन रहे हैं।

धनु राशि - मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं । कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा । कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर राशि - संपत्ति से आय में वृद्धि होगी, माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है, स्थान परिवर्तन भी संभव है। नौकरी में तरक्की की संभावनएं बन रही हैं, अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी ।

कुंभ राशि - धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से धन की प्राप्ती हो सकती है ।

मीन राशि - माता का सानिध्य व सहयोग मिलेगा, बातचीत में संयत रहें। वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं ।

बदलाव की ओर बढते कदम : मनीष मिटावा

मनीष मिटावा एक युवा सामाजिक कार्यकर्ता है। इनका जन्म 6 अक्टूबर 1998 को राजस्थान के एक छोटे से शहर विराटनगर में हुआ है जो की मत्स्य देश की राजधानी रही है। 2015 से ही मनीष मिटावा सामाजिक क्षेत्र में काम करते आ रहे हैं ।

आज वर्तमान में मनीष मिटावा भारत सरकार की योजना किसान उत्पादन संगठन जो की पूरे भारत वर्ष में 10 हजार FPO के नाम से विख्यात है, जिसकी शुरुआत भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने की । इस योजना को जमीनी स्तर पर पहुचाने का बीड़ा इंडियन ग्रामीण सर्विसेज संस्था के साथ सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट के रूप में जुड़कर राजस्थान के तीन जिलो में अपनी कार्य योजना बिखेरे हुए है जिसमे से अजमेर, झुंझुनुं एवं सीकर है । मनीष का उद्देशय है की जमीनी स्तर पर काम करके भारत को मजबूत बनाया जा सके । इन्होने सामाजिक कार्यों की प्रेरणा अपने पिता से ली है और उन्ही के मार्गदर्शन पर चलकर समाज में परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहे हैं । इनका कहना है की यदि समाज में सकारात्मक सोच नहीं होगी तब तक विकास की बात करना अर्थहीन है । भारत सरकार की योजना किसान उत्पादन संगठन के तहत राजस्थान के तीन जिलो में इंडियन ग्रामीण सर्विस संस्था के माध्यम से किसानों की कंपनियो का निर्माण किया गया है जिसमें प्रत्येक कंपनी में 350 शेयर होल्डर (किसानों) को जोड़कर के बिज़नस की ओर किसानो को आगे बढाने का काम कर रहे है, जिसमें गुलाब ,प्याज ,सरसों व सब्जियों पर कार्य करके किसानों को अधिक लाभ पहुँचाया जा सके, इससे किसानों की आमदनी में बढोतरी होगी ओर ग्राहक को भी बचत पहुंचेगी । FPO के माध्यम से मनीष ने गाँव-गाँव में जाकर किसानों को भारत सरकार की योजना के बारे में जागरूक किया है । जिसमें बताया की एफपीओ लघु व सीमांत किसानों का एक समूह होगा, जिससे उससे जुड़े किसानों को न सिर्फ अपनी उपज का बाजार मिलेगा बल्कि खाद, बीज, दवाइयों और कृषि उपकरण आदि खरीदना आसान होगा। सेवाएं सस्ती मिलेंगी और बिचौलियों के मकड़जाल से मुक्ति मिलेगी। अगर अकेला किसान अपनी पैदावार बेचने जाता है, तो उसका मुनाफा बिचौलियों को मिलता है। एफपीओ सिस्टम में किसान को उसके उत्पाद के भाव अच्छे मिलते हैं, क्योंकि यहां बिचौलिए नहीं होंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक ये 10,000 नए एफपीओ 2019-20 से लेकर 2023-24 तक बनाए जाएंगे। इससे किसानों की सामूहिक शक्ति बढ़ेगी। इन सभी कार्यों से आज मनीष के साथ 1500 किसानों का संगठन बन चुका और किसानों के बीच अच्छी पहचान बना ली है। मनीष का सपना है की ऐसे समाज का निर्माण किया जाए जहां पर किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो और सभी लोग आपस में मिल-जुलकर अपना जीवन यापन अच्छे से करे । साथ ही जो अन्तर्राष्ट्रीय गोल है उनको प्राप्त कर सकें । यदि युवाओं को मार्गदर्शन व मंच दिया जाए तो एक दिन भारत को मजबूत होने से कोई नहीं रोक सकता।

बटुए का रहस्य (कहानी)

एक राज्य का राजा न्याय प्रियता के लिए प्रसिद्द था । एक बार उसके सामने एक अजीब मामला आया । जिसमें तय कर पाना मुश्किल था कि कौन अपराधी है ? मामला कुछ इस तरह था एक भिखारी रास्ते से गुजर रहा था तभी उसकी नजर पैसे से भरे एक बटुए पर पड़ी । उसने उसे उठाकर देखा तो उसमे सौ मोहरें थी । उसने सोचा इसे राजकीय विभाग में दे देना चाहिये । उसके ऐसा सोचते वो वहाँ से निकल पड़ा ।

प्रभाती लाल सैनी

तभी उसे एक व्यक्ति मिला जिसने बटुआ देख भिखारी को बोला - यह मेरा बटुआ है । तुम मुझे लौटा दो । परितोषित के रूप में मैं बटुये में रखे धन का आधा तुम्हे दे दूंगा । यह सुन भिखारी ने उस राहगीर को बटुआ दे दिया । राहगीर कुछ चालाक प्रतीत हो रहा था । उसने जैसे ही बटुये को देखा तो कहने लगा इसमें दो सौ मुहरें थी । इसका मतलब सौ तुमने पहले ही ले ली । अब मुझे तुम मेरी सौ मुहरें लौटा दो।

भिखारी को बहुत गुस्सा आया । भिखारी की नियत में खोट ना था इसलिए उसने राजा के पास न्याय के लिए जाना स्वीकार किया । दोनों राजा के दरबार गये और पूरा किस्सा राजा को विस्तार से सुनाया गया ।

राजा ने कुछ देर सोचा और विचार कर तय किया कि राहगीर ही गलत है क्यूंकि भिखारी को तो आधे धन की भी लालसा नहीं थी वो तो राजकीय विभाग में मुहरें देने जा रहा था । जिस तरह से रास्ते में राहगीर ने यह सौदेबाजी की है । मतलब वो इस बटुये में रखी धन राशि के बारे में जानता था । यह बटुआ उसी का है लेकिन उसके मन में लालच आ गया और उसने परिस्थिति का फायदा उठाने और अधिक धन पाने की लालच में यह सब बवंडर रचा । राजा ने उसे सबक सिखाने के लिए न्याय के रूप में बटुये का आधा धन भिखारी को दिया और आधा राजकोष में दे दिया । और उस राहगीर से कह दिया गया कि यह बटुआ उसका नहीं है । जब उसका बटुआ मिलेगा उसे दे दिया जायेगा । इस तरह राहगीर को लालच के फलस्वरूप खुद का धन भी वापस ना मिला ।

इसलिए बड़े बुजुर्ग कहते हैं लालच बुरी बला है । किसी भी चीज को पाने की मंशा में अच्छे बुरे का ध्यान न रखना ही लालच का भाव हैं ।जिस वस्तु पर आपका कोई अधिकार ना हो उसे पाने की चाह भी लालच का स्वरूप है । इस भाव से सदैव दूर रहे क्यूंकि यह विनाश का रास्ता है ।

पर्यावरण की पुकार (कविता)

तुम नहीं धरा पर अंतिम
पीढ़ी आने वाले वक्त की सोचो
माफी नहीं मिलेगी तुमको
बच्चों के उस वक्त की सोचो
हाहाकार मचेगा जग में
पानी को तरसेंगे बच्चे
जहर हवा में घुल जाएगा सांसो
को सब तरसेंगे सोचो
वृक्ष लगाओ कर्ज चुकाओ
कुछ तो धरा का फर्ज निभाओ
मिलकर सब अभियान
चलाओ प्रदूषण से छुटकारा पाओ
निर्मल ग्राम हो स्वच्छ हो भारत
ऐसा मन में संकल्प बनाओ
बहुत हुआ अब शोर-शराबा
ध्वनि प्रदूषण से मुक्ति पाओ
पर्यावरण कर रहा पुकार चेहरे
को दर्पण दिखलाओ
जीव मात्र पर दया करो और
अपने जीवन का करो बचाव
कहे वेणु कविराज बात को
दिल से सोचो
तुम नहीं धरा पर अंतिम पीढ़ी
आने वाले वक्त की सोचो

विनोद शर्मा वेणु

(गीत) घर साथ चले

रजा है के दुआओं का
असर साथ चले
के मैं जब शहर जाऊँ तो
घर साथ चले,मुझे डराने
वैसे बहुत से हैं हालात चले
कभी मंजिल चले तो
कभी ताल्लुकात चले
सबकी सुनते हो तो मेरी
भी सुन लेना के मैं जब शहर
जाऊँ तो घर साथ चले
वीरान गलियां और विराना रस्ता
गुजरा कोई अरसे से नहीं
लग रहा है पुराना रस्ता
इस रस्ते पर डर -डर
के मेरे जज्बात चले
सबकी सुनते हो तो मेरी
भी सुन लेना के मैं जब शहर
जाऊँ तो घर साथ चले
छोटा सा कमरा और पूरी गृहस्थी
जरूरत के अलावा न
कोई चीज सस्ती
नौकरी में सिफारिश,
चापलूसी और जात चले
सबकी सुनते हो तो मेरी
भी सुन लेना
के मैं जब शहर जाऊँ तो
घर साथ चले
खर्चने पर दोस्त और पैसे से पानी
अजीबगरीब है शहर की कहानी
आदमी डाल - डाल चले तो
परेशानी पात् - पात् चले
सबकी सुनते हो तो
मेरी भी सुन लेना
के मैं जब शहर जाऊँ तो
घर साथ चले

सिद्धार्थ गोरखपुरी

दीपावली

झालर दीपों से सज रहे बाजार
रोशनी से नहा रहा घर और द्वार

धन से होते पूर्ण है जगत के काज
धन के बिना तो गिरे सदा ही गाज

धन की देवी की मैं उतारूँ आरती
भव सागर से माँ लक्ष्मी ही तारती

धन के भण्डार भर दे माँ लक्ष्मी
भक्तों की सुन ले अर्ज माँ लक्ष्मी

बुद्धि व धन देना और देना ज्ञान
माता लक्ष्मी मैं बालक हूँ नादान

धन तेरस पर धन्वन्तरि याद करो
आयुर्वेद के ईश हमें निरोग करो

मिष्ठानों की सज रही दुकानें आज
छप्पन भोग लगाऊँ माँ तेरे आज

सिक्कों से होता रहा ऊँचा नाम
खरा सिक्का ढूँढना है टेढ़ा काम

-डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित झालावाड़

दिवाली गिफ्ट में भूलकर भी न दें किसी को ये चीजें होता है अशुभ

दीपावली पर अपने दोस्तों और परिजनों को गिफ्ट देने की परंपरा काफी समय से चली आ रही है। मगर कई बार हमें पता नहीं होता कि उपहार में क्या देना चाहिए और क्या नहीं। कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जिनको देने से आपके धन में वृद्धि की जगह आर्थिक तंगी पांव पसार लेती है। आइए जानते हैं क्या हैं ये चीजें।

लक्ष्मी अंकित चांदी का सिक्का दीपावली पर जो गिफ्ट दिए जाते हैं उनसे न सिर्फ लेने वाले की बल्कि देने वाले की भी किस्मत बनती है या फिर बिगड़ती है। शास्त्रों के नियमानुसार, दीपावली पर गिफ्ट में किसी को भी सोने या चांदी के ऐसे सिक्के नहीं देने चाहिए, जिस पर मां लक्ष्मी का चित्र अंकित हो। यह लेने और देने वाले दोनों के लिए अशुभ है।

चप्पल जूते- दीपावली पर किसी को भी उपहार में जूते-चप्पल नहीं देने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि देने वाले और लेने वाले दोनों के घर में दरिद्रता भर जाती है और सुख शांति खत्म हो जाती है। इनको देने का अर्थ ऐसा माना जाता है कि हम अपना भाग्य किसी और को दे रहे हैं।

रुमाल या इत्र शास्त्रों में बताए गए नियमों के अनुसार दीपावली पर रुमाल और इत्र किसी को भी उपहार में नहीं देना चाहिए। ज्योतिष में ऐसा माना जाता है कि इसको किसी को उपहार मे देने से आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर होने लगता है। वहीं इत्र को भी शुक्र का कारक माना जाता है। किसी को इत्र देना मतबल अपना सौभाग्य उसे देने जैसा है।

कांच की वस्तुएं दीपावली पर दिए जाने उपहारों में ध्यान रखें कि कांच की वस्तुएं न हों। एक तो इनके टूटने का भय होता है और कांच का टूटना अपशकुन के तौर पर देखा जाता है। बेहतर होगा कि ऐसा जोखिम न ही लें। दूसरा कांच के टूटने से कुंडली में चंद्रमा की शुभ स्थिति बिगड़ जाती है।

यूईएम जयपुर में अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। युनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के अंग्रेजी और मानविकी विभाग द्वारा अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक प्रो. (डॉ.) मुकेश यादव ने बताया कि अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति के बहु-विषयक और अंत:विषय क्षेत्र पर केंद्रित है। यह सम्मेलन उन परिवर्तित भूमिकाओं का पता लगाएगा जो अंग्रेजी को दी जाती हैं जैसे रोजगार के लिए, अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता में, विकास के अवसरों को अनलॉक करने की कुंजी के रूप में आदि। सम्मेलन का उद्देश्य ऐसे सभी इच्छुक विद्वानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करना है ताकि वे अपने मौजूदा ज्ञान को बढ़ाने और बढ़ाने के लिए अपनी राय, दृष्टिकोण और शोध साझा कर सकें। इसमें ज्ञान के दीर्घकालिक आदान-प्रदान और प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की भी परिकल्पना की गई है। विश्व के सभी भागों से प्राप्त 400 शोध लेखों में से 135 से अधिक शोध पत्रों का चयन किया गया और प्रतिभागियों ने इस 2 दिवसीय सम्मेलन के दौरान अंग्रेजी भाषा के विश्व के प्रसिद्ध प्रोफेसरों के सामने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया।

प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर ने बताया कि यह सम्मेलन अपने प्रकार में अद्वितीय है क्योंकि यह अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति पर केंद्रित है और वर्तमान युग में अंग्रेजी भाषा को पढ़ाने और सीखने के लिए नवीनतम तकनीक को शामिल करने की आवश्यकता है जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग आदि। उन्होंने संचार के लिए सिर्फ एक उपकरण के बजाय लैंगेज के अनुप्रयोग भाग पर जोर दिया और इस विषय से संबंधित कई उदाहरणों को 150 से अधिक प्रतिभागियों के दर्शकों के साथ साझा किया जो हाइब्रिड मोड में सम्मेलन में शामिल हुए। दुनिया भर के प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए और वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा में प्रगति पर अपने विचार व्यक्त किए। दुनिया भर के सभी प्रसिद्ध प्रोफेसर, प्रो. (डॉ.) रोज़मेरी डगलस, यूके, प्रो. (डॉ.) यासीर अल तमीमी, संयुक्त अरब अमीरात, प्रो. (डॉ.) मोतीकला सुब्बा दीवान, नेपाल, प्रो. (डॉ.) हेमंत राज दाहा, नेपाल, प्रो. (डॉ.) राजुल भार्गव, भारत प्रो. (डॉ.) जेडएन पाटिल, भारत, प्रो. (डॉ.) देविका ब्रेंडन, श्रीलंका, प्रो. (डॉ.) परितोष चंद्र दुगर, भारत, प्रो. (डॉ.) श्रीनिवास राव 14 अक्टूबर, 2022 को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान संयुक्त अरब अमीरात और भारत के सभी हिस्सों के अन्य प्रतिष्ठित प्रोफेसर उपस्थित रहे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर और प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी ने सम्मेलन स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, चांसलर, यूईएम जयपुर ने इस 2 दिवसीय सम्मेलन के आयोजकों की पूरी टीम को बधाई दी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और बातचीत में अंग्रेजी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि अगर कोई अपने जीवन में बड़ी सफलता हासिल करना चाहता है तो अंग्रेजी भाषा सीखनी चाहिए।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बातचीत की बेहतर समझ के लिए अंग्रेजी के अलावा स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं को समान महत्व देने पर भी जोर दिया। प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, प्रो-वाइस चांसलर, यूईएम जयपुर ने भी छात्रों को अधिक रोजगार योग्य बनाने के लिए अंग्रेजी भाषा अध्ययन में प्रगति की बेहतर समझ पर जोर दिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए और सर्वोत्तम गुणवत्ता सामग्री और अनुसंधान उन्मुख दृष्टिकोण के साथ शोध पत्र को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इस दौरान प्रो. (डॉ.) खेहलता ढाका, प्रो. के.वी. कुरियोकोस, प्रो. दीप्सा मुखर्जी, प्रो. कृष्ण कुमार, प्रो. शिवम चौहान, श्री श्याम लाल के साथ श्री राजू, श्रीराम और श्री जय भी सम्मेलन में उपस्थित रहे।

विराज फाउंडेशन ने मनाया स्थापना दिवस

जयपुर (संस्कार सृजन)। विराज फाउंडेशन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर मोरीजा रोड चौमूं पर स्थित आदित्य पैराडाइज पर स्थापना दिवस मनाया गया । कार्यक्रम श्री श्री 108 गिरधारी दास जी महाराज के सानिध्य मे पं. राम स्वरुप शर्मा व पं. छोटी लाल शर्मा के द्वारा स्वस्तिवाचन कर मां गायत्री की प्रतिमा के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया । कार्यक्रम में अतिथि मंजू शर्मा उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड, प्रदीप शर्मा समाजसेवी, कर्नल रोहिताश यादव, अधिशासी अधिकारी देवेंद्र जिंदल, बजरंग सिंह काचरेडा आर्मी ऑफिसर, आदि उपस्थित रहे । संगठन के द्वारा लगातार 5 वर्ष से चिकित्सा, शिक्षा, पर्यावरण एवं सामाजिक सरोकार के कार्य किया जा रहा है । स्थापना दिवस कार्यक्रम में क्लासिकल बैंड के द्वारा विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई जो कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा । इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा पदाधिकारियों का सपत्नी माल्यार्पण कर गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित किया । इस दौरान कार्यक्रम में कृपाशंकर शर्मा, गोपाल लाल शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, सुशील धाकड़, विष्णु कुमावत, चंद्र प्रकाश शर्मा, अशोक आचार्य, एडवोकेट अजय शर्मा, डॉ. भरत राज शर्मा, डॉ. राधेश्याम मनावत, डॉ. अजय शर्मा, डॉ. सुधांशु पांडे, डॉ. राम प्रकाश शर्मा, डॉ. बंशीधर शर्मा, डॉ. युगल प्रकाश यादव, हरिओम शर्मा, इंद्र कुमार शर्मा, भवानी शंकर शर्मा, कैप्टन श्रीराम शर्मा, एडवोकेट संजय प्रधान, अजीत सिंह शेखावत, मुकेश दीक्षित, अनुराग शर्मा, नरेंद्र शर्मा, अशोक रेवड़का, बनवारी लाल भातरा, मुकेश लालाणी, डॉ सीताराम कुमावत, मुकेश कुमार कुमावत, नरेंद्र कुमावत, अशोक कुमावत, मक्खन शर्मा, राजेंद्र कुमावत, महेंद्र कुमावत, एडवोकेट पुष्पेंद्र भारद्वाज, राजकुमार कुमावत आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

राजस्थानी फिल्म मजो आ गयो ने राजस्थानी सिनेमा में फूंके प्राण

जयपुर (संस्कार सृजन)। कोरोना महामारी के बाद एक बार फिर राजस्थानी फिल्मों का स्वर्णिम दौर शुरू हो चुका है । इसी महीने 7 अक्टूबर को रिलीज हुई राजस्थानी फिल्म मजो आ गयो कोटा के गोल्ड सिनेमा में रिलीज हुई, जो अपने पहले शो से ही हाउसफुल चल रही है।

यह राजस्थानी फिल्म आज दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर रही है। राजस्थान के प्रसिद्ध हास्य कलाकार पन्या सेपट उर्फ दीपक मीणा ने इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है और दर्शकों को लोटपोट करने में एक बार फिर वह कामयाब हुए हैं । मृत प्रायः से पडे राजस्थानी सिनेमा को एक बार फिर संजीवनी बूटी देने का काम राजस्थानी फिल्म मजो आ गयो ने किया है । इस फिल्म की सफलता ने और भी अन्य राजस्थानी कलाकारों,फिल्मकारों को हिम्मत देने का काम किया है । आशा है जल्द ही राजस्थानी सिनेमा अपनी खोई हुई पहचान को प्राप्त करेगा और राजस्थानी दर्शकों में अपनी पैठ जमाएगा । अब तो राजस्थान सरकार ने राजस्थानी फिल्मों की अनुदान राशि में भी बढ़ोत्तरी कर दी है ।

ब्राह्मण समाज ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (संस्कार सृजन)। ब्राह्मण समाज के द्वारा विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने शिक्षामंत्री बीडी कल्ला को ईडब्ल्यूएस जनरल वर्ग की छात्रवृत्ति फार्म में अंकन की शर्त हटाने को लेकर ज्ञापन सौंपा । इस दौरान जिलाध्यक्ष तिवाडी ने बताया कि राजस्थान के जन घोषणापत्र के बिंदु संख्या 23, 28 के अनुसार सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए विशेष छात्रवृत्ति व अनुदान योजना प्रारंभ की गई थी । इस छात्रवृत्ति अनुदान योजना हेतु वर्ष 2021 में राजस्थान बोर्ड से माध्यमिक शिक्षा परीक्षा में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं जो कि आवेदन विद्यालय के माध्यम से ही ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे, लेकिन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने यह शर्त रखी है कि वहीं छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने परीक्षा फॉर्म भरते समय ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में फार्म भरा है । इस शर्त के अनुसार अधिकतर सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से पिछड़े अभ्यर्थियों को इस कैटेगरी का पता नहीं होने के कारण उन्होंने परीक्षा फार्म में इसे चिन्हित नहीं किया जिससे वे छात्र छात्राएं सुविधा से वंचित हो रहे हैं । साथ ही शिक्षा मंत्री ने इसमें सुधार के लिए आश्वासन दिया । इस दौरान कार्यकारी सदस्य कैप्टन श्रीराम शर्मा, निखिल शर्मा, राहुल शर्मा, मुकेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी जयपुर ने आमंत्रित किए बाल काव्य प्रतियोगिता के लिए वीडियो

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान सरकार द्वारा नवसृजित पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी ने बाल काव्य प्रतियोगिता के लिए 16 वर्ष तक के बच्चों से वीडियो आमंत्रित किए हैं । साहित्य अकादमी के अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने बताया कि राज्य स्तरीय बाल काव्य प्रतियोगिता में 16 वर्ष तक का कोई भी विद्यार्थी भाग ले सकेगा । चयनित 10 बाल कवियों को काव्य पाठ के साथ पंडित नेहरू बाल कवि प्रथम सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा । इस काव्य प्रतियोगिता का शीर्षक ÷मेरे सपनों का भारत होगा । इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को अपनी स्वरचित कविता का गूगल फॉर्म के माध्यम से 3 मिनट का वीडियो बनाकर 31 अक्टूबर 2022 को प्रातः 10 बजे तक pjnbsonline@gmail.com पर मेल करना होगा । इसमें चयनित 10 कवियों को प्रथम राज्य स्तरीय बाल कवि सम्मेलन में काव्य पाठ का अवसर प्रदान किया जाएगा और उन्हें 51 सौ रुपए की राशि, शॉल और प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जाएगा । चयनित रचनाओं को अभिलेखबद्ध किया जा कर सार्वजनिक पोर्टल पर प्रदर्शित भी किया जाएगा।

परिवहन विभाग के विभिन्न पदों की डीपीसी बैठक आयोजित

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग सदस्य जसवंत सिंह राठी की अध्यक्षता में परिवहन विभाग के विभिन्न पदों की डीपीसी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी, अपर परिवहन आयुक्त, संयुक्त परिवहन आयुक्त, उप परिवहन आयुक्त तथा सहायक परिवहन आयुक्त के विभिन्न वर्षों के पदोन्नति प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान कन्हैया लाल स्वामी, प्रिया भार्गव तथा अपर परिवहन आयुक्त (प्रशासन) एवं संयुक्त शासन सचिव महेन्द्र कुमार खींची उपस्थित रहे। प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा–2022– राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा–2022 के तहत गुरुवार को ग्रुप-सी में सम्मिलित पंजाबी, उर्दू, होम साइंस विषय तथा ग्रुप-डी के प्रथम प्रश्न-पत्र एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र की परीक्षाओं का आयोजन किया गया। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि ग्रुप-सी में सम्मिलित विषयों की परीक्षा में अभ्यर्थियों का उपस्थिति प्रतिशत पंजाबी में 63.89, उर्दू में 52.28 तथा होम साइंस विषय में 49.06 रहा। ग्रुप-डी के प्रथम प्रश्न पत्र जनरल स्टडीज-कोच में अभ्यर्थियों का उपस्थिति प्रतिशत 47.79 रहा। द्वितीय प्रश्न-पत्र कोच- फुटबॉल, हॉकी, खो-खो, रेसलिंग तथा जिम्नास्टिक की परीक्षा में क्रमशः 42.50, 45.45, 44.68, 60.00, 55.56 प्रतिशत अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। 21 अक्टूबर 2022 को ग्रुप-ई के अभ्यर्थियों के लिए प्रातः 9 से 11 बजे तक प्रथम प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान-फिजिकल एजुकेशन तथा दोपहर 2 से 4 बजे तक द्वितीय प्रश्न-पत्र फिजिकल एजुकेशन की परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com